CLIMATE CHANGE RESEARCH CENTRE

UNSW
THE UNIVERSITY OF NEW SOUTH WALES
SYDNEY • AUSTRALIA

वैज्ञानिकों द्वारा **2007** बाली जलवायु घोषणा

यह सर्वसम्मत दस्तावेज़ जलवायु परिवर्तन शोध केन्द्र (Climate Change Research Centre) आॅस्ट्रेलिया, सिडनी में न्यू साउथ वेल्स के विश्वविद्यालय (University of New South Wales) के तत्त्वाधान में तैयार किया गया था ।

कई सौ जलवायु वैज्ञानिकों द्वारा तैयार की गई 2007 की आइ पी सी सी की (Inter Government panel on Climate Change) रिपोर्ट ने स्पष्ट रूप से यह निष्कर्ष निकाला है कि हमारी जलवायु बड़ी तेज़ी से गर्म हो रही है, और अब कम से कम ९० प्रतिशत रूप से हमें यह सुनिश्चित हैं कि निस्सन्देह यह वृद्धि मुख्य रूप से मानवीय गतिविधियों की वजह से है । हमारे पर्यावरण में कार्बन डाइआॅक्साइड की मात्रा पिछ्ले 650,000 वर्षों में रहे नैसर्गिक स्तर से कहीं बहुत अधिक है और यह मानवीय गतिविधियों के कारण बहुत तेज़ी से बढ़ रही है । यदि इस प्रवृत्ति को शीघ्र न रोका गया, तो करोड़ों लोगों का जीवन भीषण घटनाओं, जैसे गर्मी की लहरों, सूखा, बाढ़ों और तूफ़ानों से ज़ोखिम में पड़ जाएगा, हमारे शहरों व समुद्र तटवर्ती क्षेत्रों को समुद्र के ऊँचे उठते जलस्तर से खतरा पैदा हो जाएगा और अनेकों जैविक व्यवस्थाओं (ecosystems), पौधों व जीव–जन्तुओं की जातियों के विलुप्त होने का गंभीर खतरा पैदा जाएगा ।

भूमंडलीय जलवायु सम्बन्धित नई संधि (यूएनएफ़सीसीसी प्रक्रिया 1992 के अंतर्गत)के प्रति समर्पित समझौता–वार्ताओं का अगला दौर दिसम्बर 2007 में शुरू हो जाना चाहिए और 2009 में संपूर्ण हो जाना चाहिए । इस नई व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य भूमण्डलीय ताप को सीमित करना होना चाहिए जो कि औद्योगीकरण से पूर्व के तापमान से 2 ºC से अधिक नहीं होना चाहिए, इस सीमा को यूरोपियन यूनियन व अन्य कई दूसरे देशों ने पहले ही औपचारिक रूप से अपना लिया है ।

वर्तमान वैज्ञानिक जानकारी के आधार पर यह आवश्यक है कि भूमंडलीय ग्रीनहाउस गैस के उत्सर्जनों को 2050 तक उन स्तरों से कम से कम 50% कम कर देना चाहिए, जितने कि 1990 के समय थे । ग्रीनहाउस गैस की उपस्थिति अन्ततः 450 ppm (parts per million; measured in CO2-equivalent concentration) 2 ºC से काफ़ी नीचे स्तर पर स्थिर किए जाने की आवश्यकता है । 2 ºC से नीचे बने रहने के लिए, भूमंडलीय ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जनों को उच्च स्तर से निम्न स्तर पर अगले १० से १५ वर्षों में ले आया जाना चाहिए, जिससे कि कुछ भी समय बर्बाद न हो ।

वैज्ञानिक होने के नाते, हम वार्त्ता करने वालों से यह अनुरोध करते हैं कि वे ऐसा समझौता करें जिसमें, उचित व प्रभावी भूमंडलीय जलवायु समझौते के लिए ये लक्ष्य न्यूनतम अपेक्षा हों ।

2007 बाली जलवायु घोषणा के लिए सभी हस्ताक्षरकर्त्ताओं की सूची देखने के लिए देखें :
http://www.climate.unsw.edu.au/bali/